Roll No. ……..

# MASL–104

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12 / 16)

First Year, Examination, 2017

समय **: 3** घंटा पूर्णांक **: 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

## खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाट्यशास्त्र की दृष्टि से 'उत्तररामचरितम्' का मूल्यांकन कीजिए।
2. भट्टलोल्लट का परिचय देते हुए उनके सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

   ब्रह्मादयो ब्रह्महिताय तप्त्वा
   परः सहस्राः शरदस्तपांसि।
   एतान्यपश्यन्गुरवः पुराणाः
   स्वान्येव तेजांसि तपोमयानि॥

अथवा

यत्र द्रुमा अपि मृगा अपि बन्धवो मे
यानि प्रियासहचरश्चिरमध्यवात्सम्।
एतानि तानि बहुनिर्झरकन्दराणि
गोदावरीपरिसरस्य गिरेस्तटानि।

4. दशरूपकों का परिचय देते हुए डिम अथवा प्रहसन की विवेचना कीजिए।

## खण्ड–ख

## (लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रकरी के भेदों का वर्णन कीजिए।
2. धीरललित नायक पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. मुग्धा नायिका के लक्षण का प्रतिपादन कीजिए।
4. करुण रस के लक्षण को स्पष्ट कीजिए।
5. संक्षेप में तमसा और मुरला के सम्बन्ध में लिखिए।
6. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अंक को छायांक क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।
7. विष्कम्भक अथवा प्रवेशक पर एक टिप्पणी लिखिए।
8. कथोपकथन के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ग

## (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक का नायक कैसा होना चाहिए ?

   (क) देवर्षि (ख) राजर्षि

   (ग) महर्षि (घ) राजवाहक

2. नाटक में कम से कम कितने अंक होने चाहिए ?

   (क) पाँच (ख) छः

   (ग) सात (घ) दस

3. नाटक का वृत्त कैसा होना चाहिए ?

   (क) लौकिक (ख) अलौकिक

   (ग) ख्यात् (घ) काल्पनिक

4. उत्तररामचरितम् में 'चित्रदर्शन' अंक कौन सा है ?

   (क) प्रथम (ख) द्वितीय

   (ग) तृतीय (घ) पंचम

5. 'उत्तररामचरितम्' के तृतीय अंक में राम किससे अपनी मनोव्यथा का वर्णन करते हैं ?

   (क) तमसा (ख) मुरला

   (ग) वासन्ती (घ) गोदावरी

6. 'उत्तररामचरितम्' के द्वितीय अंक का नाम क्या है ?

(क) चित्रदर्शन अंक

(ख) पंचवटी प्रवेश अंक

(ग) छायांक

(घ) गर्भांक

7. दशरूपक के आधार पर नायिका के मुख्य भेद हैं—

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार

8. दशरूपक के अनुसार कितनी संधियाँ हैं ?

(क) चार (ख) पाँच

(ग) सात (घ) दस

9. रूपक के कितने भेद हैं ?

(क) 10 (ख) 15

(ग) 28 (घ) 25

10. दशरूपक में कितने प्रकाश हैं ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) सात (घ) नौ